













# पहली बार स्कूल जा रहा है बच्चा, सिखाएं ये बातें



तो वहीं

कि इन्हे मुन्ने बच्चे

पहली बार स्कूल में दाखिला लेते हैं। माता पिता के बिना घर से अकेले न निकलने वाले छोटे बच्चे जब पहली बार स्कूल जाते हैं तो जिनमा उनके मन में होता है, उसके कई ज्ञान नवाचार उनके माता पिता होते होंगे बच्चे के जीवन का पहला स्कूल उसके माता पिता के लिए बहुत खास होता है। पहली बार स्कूल जाने वाला बच्चा नई दुनिया से मिलता है। यह बच्चे के आत्मनिर्भर बनने की



दिशा में पहला कदम होता है। माता-पिता थोड़ी सी तैयारी करके बच्चे को पहली बार बेंकिक होकर स्कूल भेज रहे हैं। अगर आपका बच्चा भी पहली बार स्कूल जा रहा है जो कुछ जरूरी बातें उसे स्कूल भेजने से पहले जरूर सिखाएं।

**खुद को संभालना**  
अब तक आपकी गोद में धूमने वाले बच्चे को अपने सामान और जिम्मेदारी का भार उठाना सिखाएं। यानी उसे खुद बैग उठाना, बोतल पकड़ना और अपने छोटे-छोटे सामान की देखभाल करना सिखाएं। उसे बताएं कि वह अपनी जींजों का ध्यान कैसे रखे।

**शैक्षालय इस्तेमाल करना**  
बच्चे को टॉयलेट संबंधी जानकारी

दें। उसे सिखाएं कि जब उसे शैक्षणिक बच्चे को खाना करके स्कूल भेज रहे हैं तो टीचर को सूचित करें। शैक्षालय का सही तरीके से इस्तेमाल करना है और शैक्षणिक बाब लाख धोना जरूर सिखाएं। इससे स्कूल में उसे किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी।

**खाने-पीने की आदतें**  
घर पर हमेशा परिवार के सदस्य बच्चे को खाना खिलादें तो लेकिन स्कूल में उसे खुद से खोजने करना होगा। इसलिए बच्चे को समझाएं कि टिफिन कैसे खोलना है, खुद से खाना कैसे खाना है और पानी कैसे पीना है। उसे ये भी बताएं कि लंबे से पहले हाथ साक करने हैं और स्वच्छता का ध्यान कैसे रखें।

**अपनी बात कहना**  
जब बच्चा पहली बार स्कूल जाता है

तो वह अनजान लोगों के बीच होता है। कई बार बच्चे अपने माता-पिता के अलावा किसी से अपनी बात नहीं कह पाते हैं, जिसके कारण उन्हें स्कूल में समझा हो सकता है। बच्चे को सिखाएं कि अगर उसे किसी जींजी की जरूरत हो या कोई परेशानी हो, तो वह अपने शिक्षक या शिक्षिका से बिना ज़िंदगी बात करे।

**अच्छा व्यवहार**  
बच्चे को नमस्ते करना, धन्यवाद करना और मदर मांगना जैसे शिक्षाचार सिखाएं। हर उसे स्कूल में आसानी से धूलने-मिलने में दें तो, इसके लिए उसे स्कूल और पढ़ाई के बारे में सकारात्मक बातें बताएं ताकि वह उत्साह के साथ स्कूल जाए।

## ये भाषाएं विदेश में नौकरी पढ़ाई को बनाएंगी आसान



भारत से हर साल लाखों की संख्या में लोग विदेश में पढ़ने और नौकरी करने जाते हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में तो नौकरी और पढ़ाई असाम होती है, बज़ौक यह अंग्रेजी बोली जाती है। हालांकि, जब यूरोप या फिर चीन-कोरिया जैसे देशों में पढ़ने या नौकरी करने जाने की बात हो जाती है। अमतौर पर किसी भाषा को सीखने से खुबी खुबी होती है, लेकिन कुछ ऐसी भाषाएं हैं, जिन्हें सीखने के लिए आपको पैसा नहीं खर्च करना पड़ेगा। साथ ही आप ये भाषा जल्दी सीख भी पाएंगे।

**स्पेनिश** अंग्रेजी की बोलने वालों के लिए एक असाम भाषा है। डिनार्याम में 45 करोड़ लोग इस भाषा को बोलते हैं। यह यहाँ रिसो, अंजेटीना, बोलिनिया, निली, डोमिनिकन रिपब्लिक और कई अन्य देशों में लोगों की बोलने वाली जरूरी हो जाती है। अमतौर पर किसी भाषा को सीखने से खुबी खुबी होती है, लेकिन कुछ ऐसी भाषाएं हैं, जिन्हें सीखने के लिए आपको पैसा नहीं खर्च करना पड़ेगा। साथ ही आप ये भाषा जल्दी सीख भी पाएंगे।

**पंदरिन** मंदरिन को असाम दुनिया की सबसे मुश्किल भाषाओं में से एक माना जाता है। लेकिन ये सिए एक मिथक है। इसमें टेस नहीं होते हैं। शब्दों का रूप जर्मनी बोलता, जैसे अंग्रेजी में क्रिस्टोफर बदलती है। इसका मतलब है कि आपको व्याकरण सीखने में ज्यादा समय नहीं लगाना होगा। Duolingo, Busuu और Memrise के जरिए फ्री में स्पेनिश सीखी जा सकती है।

**नॉर्वेजियन** नॉर्वे में बोली जाने वाली नॉर्वेजियन, जर्मनीकी भाषाओं के परिवर्त कहलाती है। इसमें टेस नहीं होते हैं। शब्दों का रूप जिन्हें बोलता, जैसे अंग्रेजी में क्रिस्टोफर बदलती है। जैसे कि "winter" (विंटर) और "sommer" (समर)। नॉर्वेजियन भाषा का व्याकरण सीधा ही होता है। हर काल (tense) के लिए क्रिया (verb) का एक ही रूप होता है और शब्दों का क्रम भी अंग्रेजी जैसा ही होता है।

**प्रदीप** 2024-25 में भारत का द्वारा दीर्घादेश के मरमों को मंजूरी दी है।

(क) गुरुत

(ख) स्वर्ण

(ग) कर्स्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

(ग) बिहार

2. बाल ही में हिंदूशं जाखड़ ने अंड-

18 एशियाई एथलेटिक्स यौवनशिया में कौनसा पदक जीता है?

(क) रजत

(ख) स्वर्ण

(ग) कर्स्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

(ग) इटली

3. बाल ही में भारत और द्वितीय के बीच परमाणु वार्ता का दूसरा दीर्घादेश के मरमों थुक हुआ है?

(क) प्रांस

(ख) इटली

(ग) इनमें से कोई नहीं

(ग) इटली

4. बाल ही में किस राज्य मनिमंडल ने एसीआ ग्राम-वर्गीकरण अध्यादेश के मरमों को मंजूरी दी है?

(क) गुरुत

(ख) अंध्र प्रदेश

(ग) मध्य प्रदेश

(घ) इनमें से कोई नहीं

(ग) आश्र प्रदेश

5. बाल ही में 2024-25 में भारत का द्वारा दीर्घादेश के मरमों को मंजूरी दी है?

(क) 0%

(ख) 0.3%

(ग) 0.6%

(घ) 0.9%

(घ) 0.9%

6. एजुकेशन लोन लेने वाले बच्चे पड़ते हैं हैं ज्यादा बीमार, नहीं करते अपनी देखभाल

एक अध्ययन से पता चला है कि जिन छात्रों ने कॉलेज के पढ़ाई के दौरान ऋण लिया, उनका समग्र स्वास्थ्य और असामिक अस्वस्था के संकेत हो सकते हैं। अगर समय रहते हैं इस और ध्यान नहीं दिया गया तो ये समस्याएं भविष्य में और भी गंभीर रूप से सकती हैं।

**पैंटेस और शिक्षकों की धूमिका**

माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर पढ़ाई का अनावश्यक दबाव न डालें। बहुत बच्चा असाम होता है तो तुलना में खराब था, जिन्होंने छात्र ऋण नहीं लिया था। इन निष्कर्षों की सूचना जर्नल और ऑफ अप्रेक्टिकन कॉलेज हेल्पर में देखने और खुलकर बात करने का समय भी दें। निष्कर्ष बताते हैं कि ऋण लेने वाले छात्रों को खराब शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, अस्थायी अस्वस्था के संकेत होते हैं। उनसे एक बेल के साथ खेलने और खेलने के बीच अंत नहीं लाउना और गति भी अपने बच्चों के साथ-साथ उसे खेलने, दोस्तों से मिलने और खुलकर बात करने का अनावश्यक दबाव नहीं है।

**पैंटेस और शिक्षकों की धूमिका**

माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों पर पढ़ाई का अनावश्यक दबाव न डालें। बहुत बच्चा असाम होता है तो तुलना में खराब था, जिन्होंने छात्र ऋण नहीं लिया था। इन निष्कर्षों की सूचना जर्नल और ऑफ अप्रेक्टिकन कॉलेज हेल्पर में देखने और खुलकर बात करने का समय भी दें। निष्कर्ष बताते हैं कि ऋण लेने वाले छात्रों को खराब शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, अस्थायी अस्वस्था और मानसिक अस्वस्था के संकेत होते हैं। उनसे एक नया नॉर्वेजियन विकास के द्वारा दीर्घादेश के लिए एक नया मानसिक स्वास्थ्य के बीच अंतर होता है। उनसे एक नया नॉर्वेजियन विकास के द्वारा दीर्घादेश के लिए एक नया मानसिक स्वास्थ्य के बीच अंतर होता है। उनसे एक नया नॉर्वेजियन विकास के द्वारा दीर्घादेश के लिए एक नया मानसिक स्वास्थ्य के बीच अंतर होता है। उनसे एक नया नॉर्वेजियन विकास के द्वारा दीर्घादेश के लिए एक नया मानसिक स्वास्थ्य के बीच अंतर होता है। उनसे एक नया नॉर्वेजियन विकास के द्वारा दीर्घादेश के लिए एक नया म





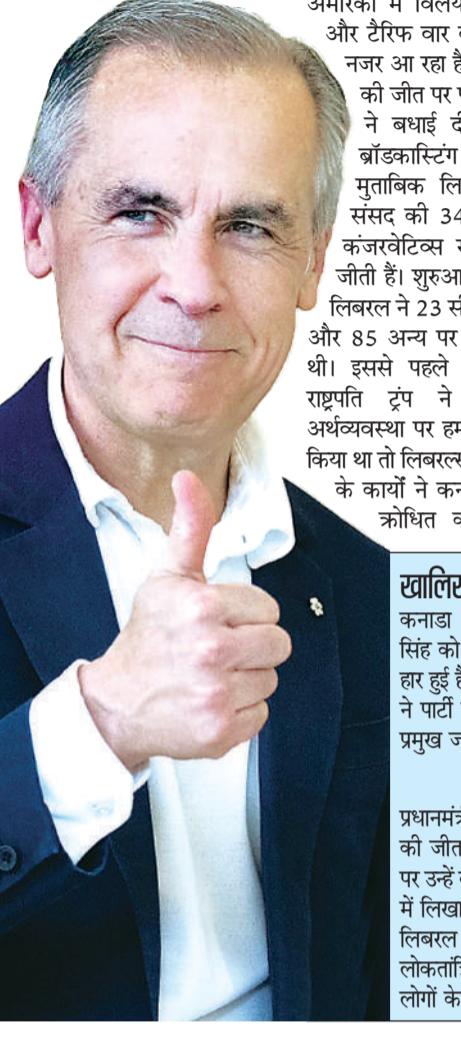




# कनाड़ा : चुनाव में मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी जीती

टोरंटो। कनाडा आम चुनाव में पीएम मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी

जीत हो गई है। नतीजों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा के अमेरिका में विलय की धर्मकियों और ट्रैफिक वार का असर साफ नजर आ रहा है। लिबरल पार्टी की जीत पर पीएम नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन के मुताबिक लिबरल पार्टी ने संसद की 343 सीटों में से कंजवेटिव से ज्यादा सीटें जीती हैं। शुरुआती मतगणना में लिबरल ने 23 सीटें जीती थी और 85 अन्य पर आगे चल रही थी। इससे पहले जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कनाडा की अर्थव्यवस्था पर हमला करना शुरू किया था तो लिबरल्स हार रहे थे। ट्रंप के जारी ने कनाडाई लोगों को कोशिक कर दिया और



चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री जिटन टर्नो के लिए एक जनमत संग्रह होगा। लिबरल ने 10 जून तक लागू रखी। यही नई ऐसे कानूनों की लोकप्रियता उनके एक दशक के कानूनों के अन्त में खाली और आवास की कीमतों में वृद्धि के कारण घट गई थी। ट्रंप ने हमला किया, टर्नो ने इसीपाइ दे दिया और दो बार केंद्रीय बैंकर रहे कानूनों लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री बन गए।

**पीएम गोदी ने दी बधाई**  
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी की जीत और मार्क कार्नी को देश का नया प्रधानमंत्री चुने जाने पर उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एकसे एक पोर्ट में लिखा, कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में आपके चुने जाने और लिबरल पार्टी के उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बधे हैं।

## इजरायल की घटेलू खुफिया सेवा के प्रमुख का इस्तीफा

यरुशलम। इजरायल की घटेलू खुफिया सेवा शिंग बैट के प्रमुख रोनेन बार ने इसीपाइ देश की खोजाई की है। वह 15 जून को पद छोड़ दिया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पूर्व में उन्हें हटाने की कशिश की थी। शिंग बैट नेतन्याहू की दरिशपांथी गठनात्मक संस्कृति के विरुद्ध बहुत राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है। नेतन्याहू ने 16 मार्च को कहा कि वह कार्यपाल रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। लेकिन बाद में



सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को बर्खास्त करने के संकार के प्रयास पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। रोनेन दावा किया था कि नेतन्याहू उन्हें इजरायली प्रदर्शनकारियों की जासूसी करने और भ्रष्टाचार के मुकदमे को बाधित करने से विभिन्न गोपनीयों को बाधित कर रहा। रोनेन दावा किया था कि वह कार्यपाल रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। लेकिन बाद में